भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1121

दिनांक 08.02.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

जल जीवन मिशन के कार्यों में विलंब

1121. श्रीमती सुमलता अम्बरीश:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के ध्यान में यह बात आई है कि कर्नाटक राज्य में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत कार्यों के निष्पादन में विलंब हो रहा है और यदि हाँ, तो सरकार द्वारा इसमें तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या मांड्या जिले के लिए चालू घरेलू नल जल कनेक्शन के सभी प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार के पास मांड्या जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत लंबित कनेक्शनों की संख्या संबंधी आंकड़े हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति

(श्री राजीव चन्द्रशेखर)

(क) और (ख) : भारत सरकार देश के सभी ग्रामीण परिवारों को पर्याप्त मात्रा में, निर्धारित गुणवत्ता तथा नियमित और दीर्घकालिक आधार पर सुरक्षित तथा पीने योग्य नल जल आपूर्ति के लिए प्रावधान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के लिए, भारत सरकार ने अगस्त 2019 में कर्नाटक सहित राज्यों की भागीदारी में कार्यान्वित किए जाने वाले जल जीवन मिशन (जेजेएम) की शुरूआत की थी। पेयजल राज्य का विषय है और इसलिए जल जीवन मिशन सहित पेयजल आपूर्ति स्कीमों की आयोजना, अनुमोदन, कार्यान्वयन, संचालन और रख-रखाव की जिम्मेदारी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। भारत सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों की सहायता करती है।

देश में जल जीवन मिशन के शुभारंभ के बाद से ग्रामीण परिवारों के लिए नल जल की सुविधा में विस्तार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन की शुरूआत के समय, केवल 3.23 करोड़ (16.8%) ग्रामीण परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना थी। अब तक, 05.02.2024 तक, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, जेजेएम के तहत लगभग 11.02 करोड़ और ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, 05.02.2024 की स्थिति के अनुसार, देश के 19.27 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 14.25 करोड़ (73.98%) परिवारों के पास उनके घरों में नल जल आपूर्ति होने की सूचना है।

इस प्रकार, ग्रामीण जल आपूर्ति के लिए अलग-अलग परियोजनाएं/स्कीमें भारत सरकार के स्तर पर अनुमोदित नहीं की जाती हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए एजेंसियों का चयन करने और कार्य सौंपने का कार्य संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों द्वारा किया जाता है।

आयोजना और कार्यान्वयन में तेजी लाने के साथ-साथ निगरानी करने और कर्नाटक सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सहायता के लिए, भारत सरकार ने पूरे देश में जेजेएम की आयोजना और क्रियान्वयन के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से वार्षिक कार्य योजना (एएपी) पर चर्चा और उसे अंतिम रूप देना, आयोजना और कार्यान्वयन की नियमित समीक्षा, क्षमता निर्माण और ज्ञान साझा करने के लिए कार्यशालाएं/सम्मेलन/वेबिनार, तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए बहु-विषयक टीम द्वारा क्षेत्र का दौरा आदि शामिल है। पारदर्शिता लाने और प्रभावी निगरानी के लिए, एक ऑनलाइन 'जेजेएम डैशबोर्ड' बनाया गया है, जो राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, जिला और गांव-वार प्रगति के साथ-साथ ग्रामीण परिवारों के पास नल जल आपूर्ति की व्यवस्था की स्थिति प्रदान करता है।

सरकार के उपरोक्त प्रयासों के कारण, जल जीवन मिशन के शुभारंभ के बाद से कर्नाटक में ग्रामीण परिवारों तक नल जल की पहुंच बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। जल जीवन मिशन की शुरूआत के समय, कर्नाटक में 24.51 लाख (24.23%) ग्रामीण परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना थी। अब तक, जेजेएम के तहत 49.96 लाख और ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, 05.02.2024 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक के 101.16 लाख ग्रामीण परिवारों में से लगभग 74.48 लाख (73.63%) परिवारों के पास नल जल आपूर्ति होने की सूचना है।

राज्य का निष्पादन पिछले वर्षों की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में धीमा रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में 7.1 लाख नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। राज्य में वित्त वर्ष 2021-22 तथा वित्त वर्ष 2022-23 में क्रमश: 18.70 लाख तथा 20.56 लाख कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। भारत सरकार मिशन के तीव्र कार्यान्वयन के लिए राज्य के साथ मामले का अनुसरण कर रही है।

(ग): अगस्त 2019 में, जल जीवन मिशन की घोषणा के समय, कर्नाटक के मांड्या जिले में 2.16 लाख (54.56%) ग्रामीण परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना थी। अब तक, जेजेएम के तहत 1.30 लाख और ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, 05.02.2024 की स्थिति के अनुसार, मांड्या जिले के 3.96 लाख ग्रामीण परिवारों में से लगभग 3.46 लाख (87.46%) परिवारों के पास नल जल आपूर्ति होने की सूचना है। इस प्रकार, कर्नाटक के मांड्या जिले में लगभग 0.5 लाख ग्रामीण परिवारों को अभी नल कनेक्शन प्राप्त होना शेष है और समयबद्ध तरीके से शेष परिवारों की कवरेज के लिए प्रयास जारी हैं।

***